

मः साक्षात्पुत्रि काश्वर मः साक्षात्पुत्रि काश्वर मः
साक्षात्पुत्रि काश्वर मः साक्षात्पुत्रि काश्वर मः
साक्षात्पुत्रि काश्वर मः साक्षात्पुत्रि काश्वर मः
साक्षात्पुत्रि काश्वर मः साक्षात्पुत्रि काश्वर मः
साक्षात्पुत्रि काश्वर मः साक्षात्पुत्रि काश्वर मः
साक्षात्पुत्रि काश्वर मः साक्षात्पुत्रि काश्वर मः
साक्षात्पुत्रि काश्वर मः साक्षात्पुत्रि काश्वर मः

2.632 I

ASHTAKA

2.632 I

२ॐ नमः शीव रुस स्था य ॥ ॐ ॥ सफा हाय वि श्रि मा ह ॥
 थय न धू हा न व ॥ ० ॥ सु या ध ॥ यु न्दा दा धा ॥ यु जा रु लि
 जा य य के ॥ यु न्म सु ले ॥ न क दं गु निः क धी यू जा ॥
 अग्नि स्था य न धू न हा वः का क व निः क ख का ति य ॥ थ
 न हा ना मि ॥ ध नि वः अ स्ति धि नः क सि सुः स चि न
 कः अ स्ति र्कः स ना व य ॥ स चि न क व नः कं स स्था ना

रु या व य अ म रु न सि नः स ना या न नः रु थ नं स्व हा
 य कः अ का या व मि ज न यो ना स र्क ॥ य अ न व न सि न
 गी स्व नं स्व न स र्क ॥ ध न निः अ स्ति थ य न या वः गा
 न न नि या य ॥ उ काः य काः अ क रः ना यः इ वी कृ य
 थ र्क का र्थः का य रु ना ॥ थ न जा य म रु ॥ ॐ रु रु या
 द रु न रु हं ॥ का य ॥ ॐ स व या य दि ॥ अ ध न रु हं

काय ॥ ॐ सर्वे कर्मा वन नानि ह सि कृ नू इ हट ॥ ॐ
वि न या व न नानि इ हट ॥ ॐ हं वि श्व ध मा व न नानि
इ हट ॥ ॐ क ल र ध क र ह न र मा व न नानि इ हट
काय ॥ ॐ क स न र य स न र मा व न नानि इ हट ॥ काय
ॐ इ ह र स वा व नानि इ हट ॥ काय ॥ ॐ इ हट स वा
व न नानि इ हट य इ हट ॥ काय ॥ ॐ ह न स वा व न

नानि इ हट ॥ काय ॥ ॐ क र स वा व न नानि इ हट
काय ॥ ॐ वि न र स वा व न नानि इ हट ॥ काय ॥ ॐ इ ह र
स वा व न नानि इ हट ॥ काय ॥ ॐ य व र स वा व न नानि इ हट
ॐ इ हट ॥ काय ॥ ॐ म थ र वि य क म कि ह न न इ हट ॥
थु कि ना न न या य ध न षा व स न ॥ स जा ना थं स न ॥

धृनहावः अस्मिन्निवसन् ॥ लयन आहायनः यन्त्र
लेख्यः अस्मिन्निवसन् ॥ यन्त्रायायः वरुः
सिधनः जजमः स्नानः नैवशः धुंः मरुः सुकि ॥ वि
इरु सर्वसंकल्पः लब्धा लब्ध विवर्जितः शम्भुसिंह
नमस्यामिः सुद्वयकिर्तिनिर्मले ॥ धन अस्मिन्निवसन् ॥

आइकिविय ॥ कंधर्मायकिष्ठाः धूमिधृनहावः
कंधर्मायाहावः दवगाइकिविय ॥ ॥ धनय
लुयाय ॥ दशुनिवविदिय ॥ स्नानकर्तः सुद्वयज ॥
दंनदकम् ॥ कमायन ॥ कंधर्मायहाव ॥ अस्मि
स ॥ याननवा सनकावः अस्मिन्निवसन् ॥

उसवाङ्गिस्मान् ॥

वहिविहानसुतः ॥ नयकनद्याय ॥ तिननकियमानः
नामचीय ॥ यदि ॥ दं १ दकम् ॥ न सनावश ॥ अस्ति
नयथासविहानाय ॥ यस्मिन् अस्ति यकि थाविवि ॥ ००
किस्काहाय ॥ अस्ति यकिस्का दकि दान किया स
माक ॥ ०० ॥ ०० ॥ एकाहाङ्गुयाकदयकवि

विधि ॥ ०० ॥ थायनकं कुत जदि बंगरुका कुन ३४ ॥
काकवनिः कखजाविय ॥ इना नयकं याक २ यं काय
३ ॥ अनया ग्य ३ ॥ सनावया १ ग्यनया ग्य ३ ॥ सनिव
ग्य ३ ॥ ३ यकु गवाः यकामृक ॥ ग्य ३ ॥ सिजवावाः ग्य १
कंसलैश्वावाः यकनलेश १ लयनडाहायवश १ दि

सिंहः होमसि ३ गकाः सिमरु या रु १ धूंः वरुः सि
धनः खानः द कल्ल कः वृहि दय कः हासः मारुः
मासः युवाः खानवारः रुष्टाः धन अस्मा १४ नकाः
यकाः आ कुरुः नाय ॥ खदि क १ अस्मिन्नासनः न क
स कय नि क नि वि य धु न हावः धाव न रुवा ॥ ६० ॥ अरु

य कुरु नि ध कुरु य वि धि ॥ अ न या गुरु गः य कुरु वृहिः
रु ग न व न डा हा य नः रु ग य कुरु न त्रः क गुरुः व
कः सिधनः खानः रुमः ध्यासः धृ हि दय क वि
धि ॥ न क स स म्मा खान स रु म्मा नू दय क ॥ अस्मिन्नासनः
स रु ॥ धृ जा या य ॥ धु न हाव ॥ धन अ न या गुरु हा ग

स्वायनवा य॥ यच्छृङ्गः त्रयं आ हो यनकय॥ य
कनत्रकः डाङ्गं ॥ अस्मिन् हाथानसंनः यच्छृङ्ग
मकखडावयुजायाय॥ वरुः सिधनरे ककुमः स्वाज
वाययच्छृङ्गमकया॥ यच्छृङ्गहावयुजा॥ मुनि॥
कमायनः विसृजने॥ यनयच्छृङ्गकिथकाय॥ नवाकया
विङ्गं सर्वसर्वसंकल्पः स्ववाहावविवजिङ्गः मकसिंह
नमस्वामि॥ शुद्धयकिनिनिर्व॥ ॥ २

अस्मिन् हाथमाङ्गकाय॥ दहिजक्याः कबंघाककाय॥
वामवाङ्गयायनसंवाकाय॥ ॥ दहिजकखेमवाहा
काय॥ वामकखेकवहाकाय॥ ॥ यच्छृङ्गानकाय
विधिसमाका॥ ॥ शुद्ध॥ ॥ १॥ ॥ १॥ ॥ १॥
॥ १॥ ॥ १॥ ॥ १॥ ॥ १॥ ॥ १॥ ॥ १॥

ॐ नमः श्री गुरुभ्यो नमः ॥ ॐ नमः श्री गुरुभ्यो नमः ॥
न क स न ल न ग न व थ स व थि न कः अ क या सः सूर्य
विष्णु वीर्य ॥ जा कि या वा न १२ क यः न क च न न मः
न क य क्ल य वीर्यः न क य व्यः कृ त् नृ धू यः सा इ र
पात १ य क्ल म नादि ॥ ह ल ह नः न व न श १२ ना

यः अ क नः या कि जा कि स वि नः ग्य य ग्य नः
म क थ कि गा न वा च कं ॥ सूर्यार्थः अ नृ द सा य ॥ थ न
गु नृ मं लु ल ॥ लं ख व वि वि य कं ॥ ॥ वि स कृ न या च कः
थ न स्या न स हा न थ कि न कं ॥ ॥ स म त्या ह नृ लु मा वृ
द्धी अ म्प या दि क्ल म मि ना ३ ॥ श्री गुरु ॥ ॐ नमः श्री

सूक्तं ॥ ऊवाकृ समसंकासंः कासकं जा म हाइ क मोनि
सर्वेया रुन नैय समासिदिवा क नं ॥ ॥ धन ॥ स
कासा न थमा नृदंः स्या नृना स्क न्ध सस्ति रंः च कास्य
यम ना र गवः न कात्म निरु धि रंः न क य म क
नां हा रंः का ला व्या कं दि ग न्क नः स ग नं सा स

न सा र्गः सर्किंच स सं शु लंः या दि श्य मी दृ सं ध्या त्वा
य ऊ य रु कि मा न सा अ द्या दि पूर्व कं कृ त्वा य
दी कृ रु न स्व रं ॥ ॥ धन अ र्ध या च क ॥ अ द्या दि x
पुं न मा रु व रं आ दि श्या यः का ऽथ य यू शा यः अ
वि श्य ग रु स र्क ना य ॥ अ नू न स ही ना यः अ मि रु
ना

कलदं व मायः कसूं संदसाय ॥ व क वा नः व क
 पृथ गं न्ध य ह्ना य वी मायः रु रं गं न मा नू रायः द
 व दान व कं म्हा लु कि न्य न नः स हि माय ॥ अ व ग न
 र रु ग वा न म नू य्या ना हि मा थायः ॐ ह यं मं लु न
 म ध म नू य वि ष्ठः ॐ दं व क रु ग न्ध य व्ध य दी या
 ह २

य हा न व नि क्क दों लो य कि म्भ क्क ना न मा मु क ॥ य स्य
 किय नं रु स्य थो कि वा रु ग क वा रु ग वा न मा नि व
 वि रु न् उं थो दी वा क न वा च नायः स रु ग मी नी
 स्वा मी स स य स नी व रु नि मि कि र्थः श्री स र्था य अ
 ध य कि च्छ स्वा हा ॥ ॥ अ रु धि क वि य ॥ अ न स

स्वा न विद्य ॥ ॥ धनसुतेया न या दार्द्य या चक ॥
धन स्वा न वाय क ॥ ॐ दि वा क न वा च नाय व ऊ
पू ष्यं य नि च्छ स्वा हा ॥ ॐ आ दि त्या य स्वा हा ॥ ॐ स
र्या य स्वा हा ॥ दधु म ॥ ॐ जू स्कं न्दा य न म ४ स्वा हा ॥
ॐ आ नि ना य न म ४ स्वा हा ॥ ॐ आ शं का ण य न म ४ स्वा

हा ॥ ॐ वा हि ता ना य न म ४ स्वा हा ॥ ॐ वा च य ठ य न
म ४ स्वा हा ॥ ॐ आ रा स वा य न म ४ व ऊ पू ष्यं य नि च्छ
स्वा हा ॥ ॥ वं कः सि ध नः ऊ ऊ म ॥ स्वा नः नी य शः
धू यः या न १२ म न वि य ॥ द व द कि न्म द १२ य ध
मा x ॥ धू रि धू न का व ख क न ॥ ० ॥ ॐ गु न व र्क

गुरु धर्मः गुरु संघं च मा मुने ॥ ० ॥ हे गुरु ज्ञान
का देसि न आह्ला कथा मंद ॥ ५ ॥ कथां वृद्ध धर्म सं
घया के सन नया दाव गुरु या के साध ना या दावः हे
गुरु गंध ध्याया विधि न आह्ला दय क वि ध्या मा
न ॥ गुरु की वाच ॥ मम संतु राजि नी स्वामि संस्य

मम हृदय उत्पन्ना रु व कि ॥ ५ ॥ हे गुरु ज्ञान
गिनी मि सा ज न ग न सं स्वामि व संस्य या य रा न या
क न या न स्य न आह्ला द के वि ध्या य मा न ॥ गुरु वाच ॥
मह गामि नी रु न धर्मः रु क्ता राव क वि ध्या कि
सर्व धर्म क वि ध्या मि ॥ व ना नां व क उ रु सं ॥ ० ॥

३ नरु क३
नरु क विद्याः व नि ग्लु रु स वा प्र या न् ॥ का स रु
ग मी नी ॥ ॥ रु न्वः ना ना ना ग रु व आ दि नं ना
ग मू मा न का व स दां नि र्म न स नि य मा ध ॐ व्या या
रु साः वि द्या आ दि स म रु ना च ध क ॐ नू न सा रु न्व
का य म वा वं स आ दि ध न ड वाः य गु आ दिः व रु
आ २

रु न्वं सं सा न द का स नः स्व य रु २ य या का व जि वा न
द य मा ध क ॐ व्या या रु सा शु वि म न नं ॐ नू न
अ व स्यं ना यि व ॥ ॥ थ न न व य रु या रु सा न वा
य ॥ यं वा य हा न ॥ मु कि x ॥ स य सा म x ॥ ॥ य न
ह नू ॥ स रु ग मी रु न ध म्यः अ न व रु कि रु का

नः स्वामि रुवि नाकः गृहायिरुवनें मदा ॥ ॥
 मरुगममीनी उनेयि उयना नधर्मै नुं मइः ॥
 यदयदज्जग्गमधरुलया प्राणि ॥ यदं २ कोटिदा
 नाहलं प्राणि ॥ ॥ स्वानकने ॥ दक्खिन्मः दन
 सुदार ॥ ॥ उरुजाः दकना ॥ कमायन ॥ विसुज्ज

न॥ आसिवा द विय॥ अरु न्ना रु क र च्छो॥ थन या नन
॥ ॐ नि स गो व रु स मा य ॥ ५५ ॥ ७७ ॥ १२ विप्रदाय॥ तद्वद
वावो सुवर्णं देवा वाग्निना यामूर्तिं देवा वा नयन्ता वाया सा दा वा ग पुं कृ ता वा
चू ना वा य सू का वा ग र्ह वा॥ ये न यं यु मि मा किं ब्रू क्य क त्य स ता च न न
कुरु देव तां सर्वः कु ति अग्नि उ न वा यू व शा वे त्स मंत्रे धि ता दे व ता व र्ग ग
म ह त रि रनु र्क ग ग ल जा व ता व ह व नु नि मि तं कृ त्वा न य नं सा नि
यु ष्टि र व नु सर्व दाः धि ता ए व ३॥ तत्त त सिं थू गु नि थ य स वि श्व क मा
यो अ उ ता त र इ या व रा उ मे द्या या नि न दे य का व त या दे व न इ य रे

[illegible]

2.632 I
 10/10/10

10/10/10
 10/10/10
 10/10/10
 10/10/10

10/10/10 10/10/10 10/10/10 10/10/10
 10/10/10 10/10/10 10/10/10 10/10/10
 10/10/10 10/10/10 10/10/10 10/10/10
 10/10/10 10/10/10 10/10/10 10/10/10

10/10/10 10/10/10 10/10/10 10/10/10
 10/10/10 10/10/10 10/10/10 10/10/10
 10/10/10 10/10/10 10/10/10 10/10/10
 10/10/10 10/10/10 10/10/10 10/10/10
 10/10/10 10/10/10 10/10/10 10/10/10
 10/10/10 10/10/10 10/10/10 10/10/10

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥
 अथ द्रुपद उवाच ॥ १ ॥
 अथ द्रुपद उवाच ॥ २ ॥
 अथ द्रुपद उवाच ॥ ३ ॥
 अथ द्रुपद उवाच ॥ ४ ॥
 अथ द्रुपद उवाच ॥ ५ ॥
 अथ द्रुपद उवाच ॥ ६ ॥
 अथ द्रुपद उवाच ॥ ७ ॥
 अथ द्रुपद उवाच ॥ ८ ॥
 अथ द्रुपद उवाच ॥ ९ ॥
 अथ द्रुपद उवाच ॥ १० ॥

Handwritten text in the right margin of the top page.

Handwritten text on the top page, consisting of five lines of script.

Handwritten text on the bottom page, consisting of six lines of script.

Handwritten text in the right margin of the top page.

Handwritten text on the top page, consisting of six lines of script in a historical Indian language.

Handwritten text on the bottom page, consisting of six lines of script in a historical Indian language.

